हिंदी दैनिक खबर

केशववाणी

हर पल, हमारी खबर

अनमोल वचन

लग चुकी है तलब जीत की अब
खुद को आग में झोंक देंगे, ठो.
करें कहती है मारा जाएगा,
हौसले कहते हैं देख लेंगे..!!

बुधवार 01 अप्रैल 2026 बर्ष 02 अंक 89 पृष्ठ 4 www.keshavtv24.com Email:keshavtvbihar@gmail.com

एशिया और विश्व में अग्रणी शिक्षण संस्थान के रूप में उभरेगा नालन्दा विश्वविद्यालय – राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

दीक्षांत समारोह एक शाश्वत सभ्यतागत संकल्प की पुनरावृत्ति – राष्ट्रपति

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)। महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मंगलवार को नालंदा विश्वविद्यालय में आयोजित दूसरे दीक्षांत समारोह में भाग लिया। उन्होंने कहा कि यह अवसर विश्वविद्यालय के पुनरुत्थान और वैश्विक जुड़ाव की निरंतर यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह समारोह एक शाश्वत सभ्यतागत संकल्प की पुनरावृत्ति है। ज्ञान का अंत नहीं होगा। संवाद बना रहेगा। शिक्षा मानवता की सेवा करती रहेगी। राष्ट्रपति ने स्नातक विद्यार्थियों को बधाई दी और सराहना की कि इस बैच में 30 से अधिक देशों के छात्र शामिल हैं, जो इसके सशक्त अंतरराष्ट्रीय स्वरूप को दर्शाता है। नालन्दा विश्वविद्यालय भी अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों को आकर्षित कर रहा है। यह नालन्दा विश्वविद्यालय के एक प्रतिष्ठित ज्ञान एवं शिक्षा केंद्र के रूप में पुनः उभरने का शुभ संकेत है। मुझे विश्वास है कि नालन्दा विश्वविद्यालय एशिया और विश्व में एक अग्रणी शिक्षण संस्थान के रूप में उभरेगा। यह न केवल अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता बल्कि अपने मूल्यों के लिए भी विशिष्ट पहचान बनाएगा। विश्वविद्यालय इंटरडिसिप्लिनरी लर्निंग (अन्तरविषयक शिक्षण), अंतरराष्ट्रीय सहयोग और स्थानीय समुदायों के साथ सहभागिता के माध्यम से इस दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। किसी भी विश्वविद्यालय के लिए अपने स्थानीय परिवेश से जुड़े रहना भी आवश्यक होता है। उसकी प्रगति का लाभ उस स्थानीय समाज को भी मिलना चाहिए, जहां वह स्थापित है। मैं विश्वविद्यालय की 'सहभागिता संवाद' पहल की सराहना करती हूं।

राज्यपाल सैयद अता हसनैन(सेवानिवृत्त) ने नालन्दा विश्वविद्यालय को निरंत. रता और नवीनीकरण का प्रतीक बताया। कहा कि यह विश्वविद्यालय अतीत के ज्ञान को वर्तमान की आकांक्षाओं के साथ जोड़ता है। उन्होंने कहा कि स्थायी मूल्यों का प्रमाण है जो मानवता के भविष्य का मार्गदर्शन कर सकते हैं। भारत के विदेश मंत्री डॉ. सुब्रह्मण्यम जयशंकर ने कहा कि विश्वविद्यालय का अंतरराष्ट्रीय चरित्र अद्वितीय है। वैश्वीकरण के इस युग में इसका महत्व और भी बढ़ गया है। जैसे–जैसे हम विकसित भारत की ओर बढ़ रहे हैं, यह आवश्यक है कि भारत दुनिया के लिए तैयार हो और दुनिया भारत के लिए। इसके लिए आने वाली पीढ़ियों को वैश्विक घटनाक्रमों के प्रति अधिक संवेदनशील और जुड़ा हुआ होना होगा। मुझे विश्वास है कि यह स्नातक बैच इस दिशा में बदलाव लाएगा। विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय छात्र अपने देशों में वापस जाकर भारत के दूत बनेंगे। डॉ. जयशंकर ने कहा कि नालन्दा की परंपरा वैश्विक व्यवस्था के लोकतंत्रीकरण में एक शक्तिशाली प्रभाव डाल सकती है। बिहार सरकार के ग्रामीण विकास एवं परिवहन मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि यह विश्वविद्यालय केवल डिग्री प्रदान करने का संस्थान नहीं, बल्कि चरित्र और बुद्धि के समग्र विकास का प्रतीक है। कुलपति प्रोफेसर सचिन चतुर्वेदी ने गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया और विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने लीप (लर्न, अर्न और पायनियर) कार्यक्रम सहभागिता संवाद और स्थानीय एवं अंतरराष्ट्रीय समुदायों के साथ जुड़ाव जैसी प्रमुख शैक्षणिक और संस्थागत पहलों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने नव. निर्मित 2000 सीटों वाले अत्याधुनिक सभागार शविश्वामित्रालयश का उद्घाटन किया। उन्होंने शसहभागिता प्रदर्शनीश का अवलोकन किया और स्थानीय समुदाय के सदस्यों के साथ संवाद किया। उन्होंने मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए। नालन्दा विश्वविद्यालय ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के प्रति आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से बोधिसत्व अवलोकितेश्वर की एक प्रतिकृति तैयार कर राष्ट्रपति को स्मृति चिह्न के रूप में भेंट की गई। यह द्वितीय दीक्षांत समारोह परंपरा और आधुनिकता, भारत और विश्व, तथा ज्ञान और मूल्यों के समन्वय के साथ भविष्य के जिम्मेदार वैश्विक नेतृत्व तैयार करने के नालन्दा के संकल्प का उत्सव है।

नालंदा विश्वविद्यालय का पुनरुद्धार भारत की ज्ञान परंपरा का प्रतीक – राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोट राजगीर(नालंदा)। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा है कि नालंदा विश्वविद्यालय का पुनरुद्धार भारत की समृद्ध ज्ञान परंपरा और हमारी दृढ़ संकल्प शक्ति का प्रतीक है। वे राजगीर स्थित नालंदा विश्वविद्यालय के दूसरे दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रही थीं। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि नालंदा विश्वविद्यालय का पुनरुद्धार केवल बिहार और भारत ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लिए बौद्धिक एवं सांस्कृतिक पुनर्जागरण की शुरुआत है। उन्होंने बताया कि पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन के सदस्य देशों के सहयोग से इस विश्वविद्यालय को अंतरराष्ट्रीय उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में विकसित किया गया है, जो वैश्विक साझी मूल्यों को दर्शाता है। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा स्थानीय समुदाय को अपने क्रियाकलापों से जोड़ने की पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रयास समाज और शिक्षा के बीच मजबूत संबंध स्थापित करता है। राष्ट्रपति ने विश्वास जताया कि नालंदा विश्वविद्यालय वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। समारोह के दौरान राष्ट्रपति ने 31 देशों के छात्रों के बीच डिग्री और उपाधियों का वितरण किया। साथ ही विभिन्न संकायों के 36 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं 10 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की।

इस अवसर पर राष्ट्रपति ने विश्वविद्यालय परिसर में दक्षिण–पूर्व एशियाई अध्ययन केंद्र का औपचारिक शुभारंभ भी किया। इस केंद्र की स्थापना की घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22वें आसियान–भारत शिखर सम्मेलन के दौरान की थी। इसके अलावा उन्होंने 2000 सीटों की क्षमता वाले 'विश्वमित्रालय' सभागार का उद्घाटन भी किया। समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल सैयद अता ने कहा कि नालंदा की धरती सदियों से विश्व में ज्ञान–विज्ञान का प्रकाश फैलाती रही है और यह परंपरा आज भी जारी है। वहीं विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में नालंदा विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण भूमिका होगी और युवा इस दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। कार्यक्रम को बिहार सरकार के मंत्री श्रवण कुमार ने भी संबोधित किया और विश्वविद्यालय की उपलब्धियों की सराहना की।

माटी से अनुप्राणित नेतृत्व- आईपीएस विकास वैभव पर युवाओं का बढ़ता विश्वास

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोट पटना। बिहार की धरती पर ऐसे व्यक्तित्व विरले ही देखने को मिलते हैं, जिनमें मातृभूमि के प्रति समर्पण, सत्यनिष्ठा और सेवा का अदम्य भाव एक साथ दिखाई देता है। इन्हीं विशिष्ट व्यक्तित्वों में एक नाम है. आईपीएस विकास वैभव, जो अपने कार्यों और विचारों के कारण लगातार चर्चा में बने हुए हैं। उनकी कार्यशैली केवल प्रशासनिक दायित्वों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के विभिन्न पहलुओं—युवा सशक्तिकरण, नारी सम्मान और रोजगार सृजनकृसे भी गहराई से जुड़ी हुई है। खासकर 'लेट्स इंस्पायर बिहार' अभियान के माध्यम से उन्होंने राज्य के विभिन्न जिलों में जागरूकता और प्रेरणा का एक व्यापक अभियान चलाया है, जो अब जनांदोलन का रूप लेता दिखाई दे रहा है। इस अभियान का प्रभाव युवाओं में स्पष्ट रूप से देखा जा रहा है। बड़ी संख्या में युवा उनके कार्यक्रमों में शामिल होकर उन्हें एक प्रेरणास्त्रोत और पथप्रदर्शक के रूप में देख रहे हैं। हाल ही में 22 मार्च 2026 को पटना के बापू सभागार परिसर में आयोजित कार्यक्रम में करीब 12 हजार युवाओं की उप. स्थिति ने इस बढ़ते जनसमर्थन को और मजबूती दी।विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के प्रयास न केवल युवाओं को सक. ारात्मक दिशा देते हैं, बल्कि समाज में बदलाव की एक नई सोच भी विकसित करते हैं। आईपीएस विकास वैभव का यह प्रयास बिहार के सामाजिक और बौद्धिक नवजागरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। हालांकि, यह भी एक बड़ा सवाल है कि क्या बिहार की युवा शक्ति इस तरह के नेतृत्व को अपने भविष्य के रूप में देखती है। यदि ऐसा होता है, तो आने वाले समय में राज्य के विकास और पुनर्निर्माण की दिशा में नए आयाम स्थापित हो सकते हैं। लेखक राहुल कुमार सिंह, मुख्य समन्वयक, 'लेट्स इंस्पायर बिहार' अभियान, ने इस संदर्भ में कहा कि बिहार एक बार फिर अपने गौरवशाली इतिहास की ओर बढ़ सकता है, यदि समाज को सही दिशा देने वाले नेतृत्व को समर्थन मिलता है।

अपने क्षेत्र की खबर भेजने और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें

7033325120

नालंदा में दर्दनाक हादसा: शीतला माता मंदिर में भगदड़, 9 श्रद्धालुओं की मौत

8 महिलाओं की मौके पर मौत, एक ने अस्पताल में तोड़ा दम, दर्जनों घायल

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट बिहार शरीफ (नालंदा) । नालंदा जिले के दीपनगर थाना क्षेत्र स्थित मघड़ा शीतला माता मंदिर में मंगलवार सुबह चौत्र माह के आखिरी मंगलवार के अवसर पर उमड़ी भारी भीड़ के बीच भगदड़ मच गई। इस दर्दनाक हादसे में 9 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। मृतकों में 8 महिलाएं शामिल हैं, जिनकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक पुरुष ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घटना में दर्जनों लोग घायल हुए हैं, जिनमें कई की हालत चिंताजनक बनी हुई है और सभी को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। मेला और भारी भीड़ बनी हादसे की वजह चौत्र माह के अंतिम मंगलवार के अवसर पर मंदिर परिसर में हर साल की तरह इस बार भी मेला लगा था, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा–अर्चना के लिए पहुंचे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार करीब 25 हजार लोग मौजूद थे, लेकिन भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी। दर्शन की जल्दी में श्रद्धालुओं के बीच धक्का–मुक्की शुरू हुई और देखते ही देखते भगदड़ में बदल गई, जिसमें कई लोग एक–दूसरे के नीचे दब गए।

सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि इतनी बड़ी भीड़ के बावजूद मंदिर परिसर में पर्याप्त पुलिस बल तैनात नहीं था। न बैरिकेडिंग की व्यवस्था की गई थी और न ही कतारबद्ध दर्शन की कोई व्यवस्था थी। मंदिर का गर्भगृह छोटा होने के कारण भीड़ और सघन हो गई और सुबह 8 से 9 बजे के बीच स्थिति पूरी तरह बेकाबू हो गई।

"चोर दरवाजे" से दर्शन कराने का आरोप

कुछ श्रद्धालुओं ने मंदिर प्रबंधन और पुजारियों पर पैसे लेकर पीछे के दरवाजे से दर्शन कराने का आरोप लगाया, जिससे मुख्य प्रवेश द्वार पर भीड़ का दबाव और बढ़ गया और लोगों में नाराजगी फैल गई। इसी बीच एक महिला के चक्कर खाकर गिरने के बाद हालात और बिगड़ गए और भगदड़ मच गई।

हादसे के बाद प्रशासनिक कार्रवाई

हादसे के बाद प्रशासन ने मंदिर और मेले को बंद करा दिया है। दीपनगर थाना के एसएचओ राजमणि को सस्पेंड कर दिया गया है, पटना कमिश्नर को बिहारशरीफ भेजा गया है और मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव को पूरे मामले की जांच के निर्देश दिए हैं।

मुआवजे की घोषणा

राज्य सरकार ने मृतकों के परिजनों को 6 लाख रुपये और केंद्र सरकार ने 2 लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की है।

सुरक्षा पर उठे सवाल

उसी दिन नालंदा विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति की मौजूदगी को लेकर 8 जिलों के लगभग 2500 जवान तैनात किए गए थे, जबकि मंदिर में भारी भीड़ के बावजूद सुरक्षा व्यवस्था नहीं थी, जिससे प्रशासन की प्राथमिकताओं पर सवाल उठ रहे हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताई पूरी घटना

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार भीड़ बहुत ज्यादा थी और कोई लाइन व्यवस्था नहीं थी। लोग जल्दी दर्शन करने की कोशिश में थे। एक महिला के गिरने के बाद उसे संभालने के दौरान भीड़ को रोकने की कोशिश हुई, लेकिन पीछे से धक्का लगने पर भगदड़ मच गई।

भीड़ प्रबंधन की विफलता उजागर

यह घटना एक बार फिर बड़े धार्मिक आयोजनों में भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था की गंभीर कमी को उजागर करती है। जांच जारी है।

ज्ञानोदय स्कूल, चंडी में वार्षिक समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न

खेलकूद, क्वीज प्रतियोगिता, वार्षिक परीक्षाफल प्रकाशन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

केशववाणी शंकर कुमार सिन्हा की रिपोर्ट चंडी (नालंदा)। ज्ञानोदय स्कूल, चंडी (नालंदा) में सत्र 2025–26 के अंतर्गत खेलकूद, क्वीज प्रतियोगिता, वार्षिक परीक्षाफल प्रकाशन एवं पुरस्कार वितरण समारोह हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य उमेश प्रसाद द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इसके साथ ही समारोह का विधिवत उद्घाटन हुआ। अपने संबा. `धन में प्राचार्य ने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल शैक्षणिक विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम एवं लक्ष्य के प्रति समर्पण के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। साथ ही उन्होंने कहा कि अतिथियों द्वारा बच्चों और अभिभावकों को दी गई शिक्षाप्रद बातें विद्यार्थियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक साबित होंगी। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत गणेश वंदना से हुई। इसके बाद नृत्य, नाटक एवं अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण नशा उन्मूलन विषय पर 'भस्मासुर' थीम पर आधारित नाटक रहा, जिसमें छात्र–छात्राओं ने आत्मविश्वास के साथ अपनी प्रस्तुति दी। अभिभावकों और शिक्षकों के सहयोग से तैयार इस नाटक को दर्शकों ने खूब सराह. ा।समारोह के दौरान वार्षिक परीक्षाफल की घोषणा की गई तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र–छात्राओं को मेडल, प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मा. नित किया गया। अंत में प्राचार्य ने अभिभावकों से विद्यालय के प्रति निरंतर सहयोग एवं स्नेह बनाए रखने की अपील की। उन्होंने आश्वस्त किया कि विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों का पूरा सहयोग बच्चों को मिलता रहेगा, जिससे वे जीवन में नए–नए शिखर हासिल कर सकें। इस अवसर पर प्राचार्य उमेश प्रसाद के साथ अजय कुमार, शम्भू कुमार, रज्जीत कुमार, हरेन्द्र कुमार, प्रमोद कुमार, विपिन बिहारी वाजपेयी, रत्नेश कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। समारोह का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

मघड़ा मंदिर भगदड़ पर भाकपा–माले का हमला, डीएम–एसपी को ठहराया जिम्मेदार

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोट बिहारशरीफ(नालंदा)। मघड़ा स्थित माता शीतला मंदिर में हुई भगदड़ की घटना में 10 श्रद्धालुओं की मौत पर भाकपा–माले नेताओं ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए जिला प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पार्टी नेताओं ने घटना को प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम बताते हुए दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। भाकपा–माले के जिला सचिव कामरेड श्रीनिवास शर्मा, कामरेड अनिल पटेल, कामरेड मकसूदन शर्मा (प्रखंड सचिव, नूरसराय) एवं कामरेड विनोद रजक सहित अन्य नेताओं ने बिहारशरीफ सदर अस्पताल पहुंचकर मृतकों के परिजनों एवं घायलों से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी। नेताओं का आरोप है कि मघड़ा मंदिर में चौत्र के अंतिम मंगलवार को हर वर्ष हजारों की भीड़ जुटती है, जिसमें नालंदा के अलावा नवादा, पटना और शेखपुरा जिलों से भी श्रद्धालु आते हैं। इसके बावजूद जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा और सुविधा की कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई। उन्होंने कहा कि मौके पर न तो पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती थी और न ही मेडिकल टीम, एंबुलेंस या मजिस्ट्रेट की व्यवस्था की गई थी।भाकपा–माले नेताओं ने इसे "आपराधिक लापरवाही" बताते हुए कहा कि प्रशासन ने श्रद्धालुओं को उनके हाल पर छोड़ दिया, जिसके कारण यह दर्दनाक हादसा हुआ। उन्होंने मंदिर न्यास समिति की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए उसे गैरजिम्मेदाराना बताया। पार्टी नेताओं ने सरकार से मांग की है कि घटना की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही मृतकों के परिजनों को 50–50 लाख रुपये तथा घायलों को समुचित इलाज के साथ 5 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग की गई है। नेताओं ने कहा कि केवल निचले स्तर के कर्मियों पर कार्रवाई करना पर्याप्त नहीं है और इसे लीपापोती करार दिया। उन्होंने सरकार से पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए शीघ्र ठोस कदम उठाने की अपील की।

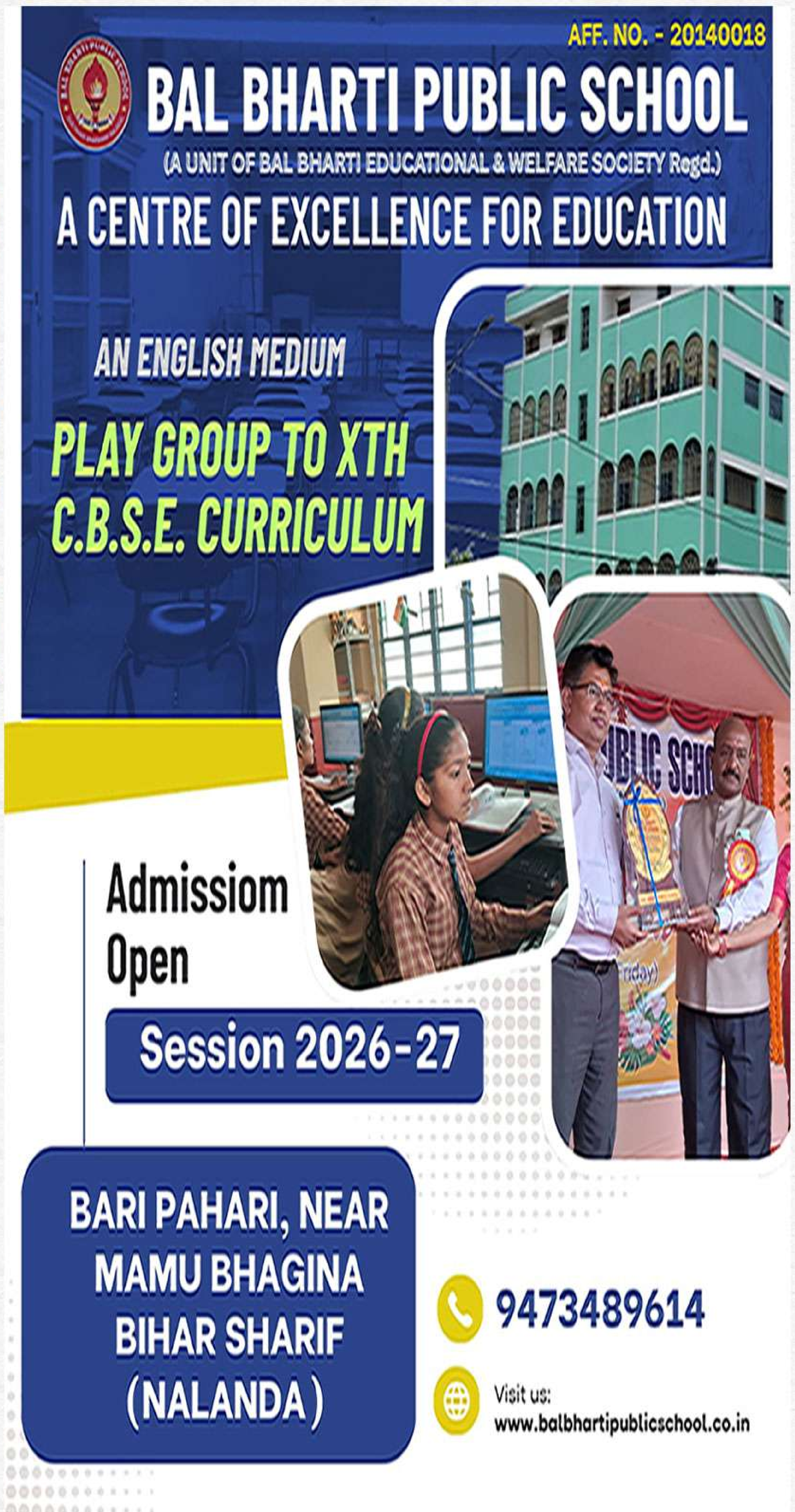

शीतला मंदिर हादसे पर विधान पार्षद रीना यादव एवं पूर्व विधान पार्षद राजू यादव ने गहरा शोक व्यक्त किया, पीड़ितों से की मुलाकात

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट, बिहारशरीफ (नालंदा) । दीपनगर थाना क्षेत्र स्थित मां शीतला मंदिर परिसर में 31 मार्च 2026 को हुए दर्दनाक हादसे में 9 श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 8 अन्य श्रद्धालु घायल हो गए। इस घटना पर विधान पार्षद रीना यादव एवं पूर्व विधान पार्षद राजू यादव ने गहरा शोक व्यक्त किया है। विधान परिषद प्रतिनिधि मोहम्मद एखलाक अहमद ने जानकारी देते हुए बताया कि घटना की सूचना मिलते ही माननीय विधान पार्षद रीना यादव एवं पूर्व विधान पार्षद राजू यादव के निर्देश पर वे बिहारशरीफ सदर अस्पताल पहुंचे। वहां उन्होंने घायलों एवं मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना तथा घटना की पूरी जानकारी ली। जनप्रतिनिधियों ने हादसे पर दुख जताते हुए कहा कि जिला प्रशासन एवं अस्पताल प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए राहत एवं बचाव कार्य में सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने प्रशासन की त्वरित कार्रवाई की सराहना भी की। उन्होंने बताया कि मृतकों के आश्रितों को आपदा

प्रबंधन विभाग की ओर से 4—4 लाख रुपये तथा मुख्यमंत्री राहत कोष से 2—2 लाख रुपये, कुल 6—6 लाख रुपये की अनुग्रह राशि प्रदान की गई है। जनप्रतिनिधियों ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

बिहार शरीफ मंदिर भगदड़ पर युवा नेता राजू दानवीर ने जताया शोक, पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट, बिहारशरीफ (नालंदा) । नालंदा के बिहार शरीफ स्थित माता शीतला मंदिर में हुई भगदड़ की घटना ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। इस दुखद हादसे पर युवा नेता राजू दानवीर ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए इसे अत्यंत पीड़ादायक बताया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की घटनाएं समाज को अंदर तक आहत कर देती हैं और कई परिवारों की खुशियां एक पल में उजड़ जाती हैं। राजू दानवीर ने अपने शोक संदेश में कहा कि इस हादसे में जिन ला. ॆगों ने अपने परिजनों को खोया है, उनके प्रति उनकी हार्दिक संवेदनाएं हैं। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें तथा शोक संतप्त परिवारों को इस कठिन समय में दुख सहने की शक्ति दें। उन्होंने कहा कि यह समय संवेदना, सहयोग और एकजुटता दिखाने का है, ताकि पीड़ित परिवार खुद को अकेला महसूस न करें। उन्होंने सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए कहा कि प्रशासन को भी पूरी तत्परता के साथ राहत एवं उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए। ऐसी घटनाओं से सबक लेते हुए भविष्य में सुरक्षा और भी मजबूत करने की आवश्यकता है, ताकि श्रद्धालुओं की आस्था पर कोई आंच न आए।

राजू दानवीर ने अंत में कहा कि यह हादसा हम सभी को मानवीय संवेदनाओं के महत्व की याद दिलाता है। उन्होंने पुनः दिवंगत आत्माओं की शांति और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए कहा कि पूरा समाज इस दुखद घटना से प्रभावित परिवारों के साथ मजबूती से खड़ा है।

नईमा गांव में युवती की हत्या, ससुरालवालों पर आरोप; शव पइन से बरामद

केशववाणी गुड्डु कुमार की रिपोर्ट तेल्हारा (नालंदा)। थानाध्यक्ष तेल्हारा को बुधवार संध्या करीब 7 बजे टुनटुन पासवान द्वारा सूचना दी गई कि उनकी पुत्री की ससुराल पक्ष द्वारा हत्या कर दी गई है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत कार्रवाई करते हुए ग्राम नईमा पहुंची और मामले की जांच शुरू की। खोजबीन के दौरान मृतका काजल कुमारी (उम्र लगभग 22 वर्ष) का शव नईमा गांव स्थित गंगटी खंदा पइन से बरामद किया गया। पुलिस ने मौके पर आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव का मृत्यु समीक्षा प्रतिवेदन तैयार किया तथा पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल टीम को भी सूचित कर दिया गया है, ताकि घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्र किए जा सकें। पुलिस द्वारा इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार क्षेत्र में विधि—व्यवस्था की स्थिति सामान्य बनी हुई है।

शीतला मंदिर हादसे पर पूजा उत्सव समिति ने जताया गहरा शोक

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट, बिहारशरीफ (नालंदा)। मघड़ा स्थित मां शीतला मंदिर में हुई हृदयविदारक घटना पर नालंदा जिला पूजा उत्सव समिति ने गहरा शोक व्यक्त किया है। समिति ने इस दुखद हादसे को अत्यंत पीड़ादायक बताते हुए कहा कि यह घटना पूरे समाज को झकझोर देने वाली है। समिति के सदस्यों ने हादसे में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएं प्रकट कीं। उन्होंने ईश्वर से दिवंगतों की आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिजनों को इस अपूरणीय क्षति को सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। इसके साथ ही समिति ने हादसे में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। समिति ने कहा कि इस कठिन समय में वे पूरी संवेदना के साथ पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है और हर संभव सहयोग के लिए तत्पर है। समिति ने इस घटना को समाज के लिए अत्यंत दुखद बताते हुए सभी से पीड़ित परिवारों के प्रति सहानुभूति और सहयोग बनाए रखने की अपील की।

नेहुसा बिगहा में 48 घंटे का अखंड कीर्तन सम्पन्न

केशववाणी राकेश कुमार की रिपोर्ट हरनौत(नालंदा)। हरनौत प्रखंड क्षेत्र के नेहुसा बिगहा गांव में 48 घंटे का अखंड कीर्तन मंगलवार को भक्ति भाव के साथ सम्पन्न हो गया। अखंड कीर्तन के समापन के बाद श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। वहीं ग्रामीण जितेंद्र कुमार ने बताया कि गांव की सुख समृद्धि के लिए प्रत्येक साल देवी मंदिर प्रांगण में समस्त नेहुसा बिगहा ग्रामवासियों के सहयोग से अखंड कीर्तन का आयोजन किया जाता है। उन्होंने ने कहा कि बीते 28 मार्च को भव्य कलश यात्रा निकाली गई। जिसमें 151 श्रद्धालुओं ने गंगाजी में जोलबोझी की।फिर 29 मार्च से अखंड कीर्तन शुभारंभ हुआ।इसके बाद मंगलवार को अखंड कीर्तन का समापन व पूर्णाहुति। उन्होंने कहा इस तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान में नेहुसा बिगहा,नेहुसा,बामोचक आदि गांव में हरे रामा हरे कृष्णा भजन—कीर्तन से गुंजायमान रहा। जहां विभिन्न गांवों से आए कीर्तन मंडली ने पूरे 48 घंटे तक अखंड संकीर्तन किया, जिसमें पुरुषों के साथ—साथ महिलाओं ने भी बढ़—चढ़कर भाग लिया। इस सफल आयोजन में सत्येंद्र यादव ,शिवालक यादव ,जितेंद्र कुमार ,धर्मेंद्र कुमार, रामबालक यादव,टुनटुन चौहान नरेश यादव ,ध. र्मवीर यादव , पप्पू, कांति, उर्मिला, ढोलकिया सहित अन्य कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

धूमधाम से मनायी गई महावीर जयंती, बच्चों ने विभिन्न थीमों पर बनाया प्रोजेक्ट, किया प्रभावित

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)। महावीर जयंती पर शहर में शिक्षण संस्थाओं सहित अन्य जगहों पर जयंती धूमधाम से मनायी गई। राजगीर के बड़ी मिल्की में स्थित राष्ट्रीय जैन संत कमल मुनि कमलेश विद्यालय के में मंगलवार को बच्चों ने भगवान महावीर की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राजगीर की पावन धरा पर भगवान महावीर ने 14 चातुर्मास किए थे। इसीलिए इस धरती का महत्व बड़ा ही उत्तम एवं धार्मिक है। बच्चों ने जल जीवन हरियाली, सौर ऊर्जा, जल संरक्षण, वायु प्रदूषण नियंत्रण, राम मंदिर सहित अन्य पर प्रोज.`क्ट बनाकर अपनी प्रतिभा उकेरी। वहीं प्रबंधन द्वारा मैट्रिक में 452 अंक प्राप्त करने वाली आकृति कुमारी एवं नैना कुमारी को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। वर्ग 8 के बच्चे एवं बच्चियों को विदाई भी दिया गया। विद्यालय के प्रबंधक ममता कुमारी ने कहा कि विद्यालय में पढ़ने वाले अधिकांश बच्चों ने मैट्रिक परीक्षा में प्रथम स्थान पाया है। आकृति, नैना सहित अन्य बच्चों ने 400 से अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है।

उन्होंने कहा कि विद्यालय अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा है। यहां के बच्चे शिक्षा हासिल कर इंजीनियर, डॉक्टर, सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा, जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा के अलावा अन्य क्षेत्र में भी परचम लहरा रहे हैं। इस मौके पर संगीता देवी, पिंकी कुमारी, अभिषेक कुमार, नीरज कुमार, पिंकी कुमारी, सरिता कुमारी, सुरज कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

ग्रामीण बच्चों में भी होती है काफी प्रतिभा – अरुण कुमार चंचूल
गरीब परिवार की मैट्रिक पास होने वाली बेटी को पैक्स अध्यक्ष ने किया सम्मानित

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)। ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों में भी काफी प्रतिभा होती है। बस उसे सही राह दिखाने की जरूरत है। ये बातें मेयार पैक्स अध्यक्ष सह मेयार मुखिया प्रतिनिधि अरुण कुमार उर्फ चंचूल जी ने मंगलवार को बढ़ौना गांव में मैट्रिक परीक्षा में 429 अंक पाने वाली छात्रा मनीता कुमारी को सम्मानित एवं पुरस्कार दिया गया। श्री चंचूल ने कहा कि बढ़ौना निवासी धर्मेन्द्र राम काफी गरीब परिवार से हैं। वे मजदूरी कर अपनी बच्ची को पास के हाईस्कूल बेलदार बिगहा स्कूल में पढ़ाये हैं। मनीता कुमारी ने 85.8 प्रतिशत अंक लाकर अपने माता–पिता का नाम रोशन किया है। आगे भी उसे पढ़ने की ललक है। उन्होंने कहा कि शिक्षा सबसे अनमोल धन होता है। इसे कोई बांट नहीं सकता। सभी अभिभावकों को अपने बच्चों को जरूर से जरूर शिक्षा देना चाहिए। शिक्षित होकर ही वह एक बेहतर समाज का निर्माण कर सकता है।

मेधावी छात्रों ने रंगोली और पेंटिंग में बिखेरी अपनी प्रतिभा
विभागीय स्टॉलों के माध्यम से दी गई योजनाओं की जानकारी

केशववाणी गुड्डु कुमार की रिपोर्ट इस्लामपुर(नालंदा)। कुंडलपुर महोत्सव में बच्चों का उत्साह चरम पर रहा। जिला प्रशासन और पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिताओं में विभिन्न विद्यालयों के करीब 225 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। रंगोली, पेंटिंग, क्विज और मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विजेताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसमें विद्यापीठ नालन्दा, मध्य विद्यालय नीरपुर, मध्य विद्यालय बेगमपुर, शिवम रेसिडेंशियल पब्लिक स्कूल, संत जेवियर्स स्कूल मोहनपुर, उत्क्रमित मध्य विद्यालय पचवारा, आदर्श मध्य विद्यालय सिलाव, सदर आलम मेमोरियल स्कूल छात्रों ने भाग लिया। मेंहदी प्रतियोगिता में पहला स्थान उत्क्रमित मध्य विद्यालय नालंदा विद्यापीठ के अदिति कुमारी, दूसरा सदर अलम मेमोरियल स्कूल बिहारशरीफ की सुकन्या कुमारी और तीसरा रासबिहारी हाई स्कूल नालंदा ने राधिका एवं आदर्श मध्य विद्यालय नालंदा की खुशी कुमारी ने हासिल किया। पेंटिंग में पहला स्थान शिवम रेजिडेंशियल पब्लिक स्कूल की हर्षित सिंह, उत्क्रमित मध्य विद्यालय पचवारा के सुमित कुमार ने दूसरा एवं आदर्श मध्य विद्यालय के अंकिता कुमारी तथा आईपीएस एकेडमी के सुहानी कुमारी तीसरा स्थान हासिल किया। रंगोली में संत जेवियर स्कूल की टीम पहला, नव नालंदा नीरपुर के की टीम ने दूसरा, मध्य विद्यालय बेगमपुर एवं विद्या भारती स्कूल ने तीसरा स्थान पाया।

क्विज में संत जेवियर स्कूल मोहनपुर की खुशी कुमारी पहला, उत्क्रमित मध्य विद्यालय पचवारा की मुस्कान कुमारी दूसरा, रासविहारी उच्च विद्यालय नालंदा की गुड़िया कुमारी एवं सदर अलम मेमोरियल सेकेंडरी स्कूल के कमलेश कुमार तीसरा स्थान हासिल किया। वही दो दिवसीय कुंडलपुर महोत्सव के दौरान जिला प्रशासन की ओर से विभिन्न विभागों का कुल 13 स्टॉल लगाया गया है। प्रतियोगिताओं को पारदर्शी बनाने के लिए अलग–अलग नोडल पदाधिकारी और निर्णायक मंडल तैनात किए गए थे। मेंहदी में श्याम नंदन झा, रंगोली में धनंजय कुमार, पेंटिंग में शिवपूजन ठाकुर और क्विज में संजय कुमार ने नोडल पदाधिकारी की भूमिका निभाई। निर्णायक मंडली में मधुलिका, ज्योति प्रभा, अविनाश चंद्र, निहारिका और प्रेम शंकर कुमारी जैसे विशेषज्ञों ने विजेताओं का चयन किया।

भक्ति और आस्था के संगम में सराबोर रहा कुंडलपुर महोत्सव

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)। भगवान महावीर जन्मोत्सव के दूसरे दिन मंगलवार को जैन तीर्थ कुंडलपुर भक्ति और आस्था के संगम में सराबोर रहा। विशेष महापूजा में भगवान के 1008 नामों के साथ नवग्रह जिनालय में शांति के लिए समन्वित पूजा–अर्चना की गई। अनुष्ठान के दौरान प्रत्येक नाम के साथ अर्घ्य समर्पित किए गए। मान्यता है कि यह पूजा गृह शांति और कुंडली दोष निवारण के लिए अत्यंत फलदायी है। कुंडलपुर तीर्थ की प्रेरिका गणिनी प्रमुख आर्यिका शिरोमणि ज्ञानमती माता जी की प्रेरणा से नंद्यावर्त्त महल परिसर में नवग्रह शांति जिनालय का निर्माण वर्ष 2003 में मात्र 22 महीने में किया गया था। यहां नवग्रहों के स्वामियों की प्रतिमाएं विराजमान हैं। जन्मोत्सव के इस पावन अवसर पर उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, मध्यप्रदेश, दिल्ली, महाराष्ट्र और राजस्थान समेत देश के विभिन्न कोनों से हजारों श्रद्धालु कुंडलपुर पहुंचे। श्रद्धालुओं ने नंद्यावर्त्त महल की प्रतिकृति में स्थित शांतिनाथ जिनालय में जल और दूध से महार्चना की। इसके साथ ही विश्व शांति महावीर विधान का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के अंतिम चरण में परिसर में स्थापित जैन धर्म के प्रथम ती.र्थंकर भगवान ऋषभदेव की 11 फीट ऊंची पद्मासन प्रतिमा का भव्य महामस्तिकाभिषेक किया गया। समिति के मंत्री विजय कुमार जैन ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में भगवान महावीर के बताए जियो और जीने दो के मार्ग पर चलकर ही शांति संभव है। उन्होंने कहा कि अहिंसा केवल धर्म नहीं, बल्कि एक उच्च संस्कार है। शाम में 108 दीप प्रज्वलित कर भगवान महावीर की महाआरती की गई और श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से भगवान का पालना झुलाया।